**SAI TUTORIALS**

**Std.: 10 (English)** **Hindi** **Marks: 80**

**Date: 31-12-23** **PRELIM-1 SET C** **Time: 3 hrs**

**Chapter: All**

**विभाग १ - गदय : 20 अंक**

**Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

**1** **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

| | |
|---|---|
| तिवारी जीः | नागर जी, आप अपने समय के और कौन-कौन से लेखकों के संपर्क-प्रभाव में रहे ? |
| नागर जीः | जगन्नाथदास रत्नाकर, गोपाल राय गहमरी, प्रेमचंद, किशोरी लाल गोस्वामी, लक्ष्मीधर वाजपेयी आदि के नाम याद आते हैं | माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे | वे आजानुबाहु थे, ढीला कुरता पहनते थे और कुरते की जेब में जलियाँवाला बाग की खून सनी मिट्टी हमेशा रखे रहते थे | १९३१ से ३७ तक मैं प्रतिवर्ष कोलकाता जाकर शरतचंद्र से मिलाता रहा, उनके गाँव भी गया | |
| तिवारी जीः | पुराने साहित्यकारों में आप किसको अपना आदर्श मानते हैं ? |
| नागर जीः | तुलसीदास को तो मुझे घुट्टी में पिलाया गया है | बाबा, शाम को नित्य प्रति 'रामचरितमानस' मुझसे पढ़वाकर सुनते थे | श्लोक जबरदस्ती याद करवाते थे | |
| तिवारी जीः | नागर जी, आपने 'खंजन नयन' में सूरदास के चमत्कारों का बहुत विस्तार से वर्णन किया है | क्या इनपर आपका विश्वास है ? |
| नागर जीः | नेत्रहीनों के चमत्कार हमने बहुत देखे हैं | उनकी भविष्यवाणियाँ कभी-कभी बहुत सच होती हैं | सूरपंचशती के अवसर पर काफी विवाद चला था कि सूर जन्मांध थे या नहीं | सवाल यह है कि देखता कौन है ? आँख या मन ? आँख माध्यम है, देखने वाला मन है | |
| तिवारी जीः | आपने क्या कभी अपने लिखने की सार्थकता की परख की है ? |
| नागर जीः | हाँ, मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं | मेरे उपन्यासों के बारे में, खास तौर से जिनसे पाठकीय प्रतिक्रियाओं का पता चलता है | |
| तिवारी जीः | नागर जी, आपने भ्रमण तो काफी किया है ... |
| नागर जीः | हाँ, पूरे अखंड भारतवर्ष का | पेशावर से कन्याकुमारी तक | बंगाल से कश्मीर तक | इन यात्राओं का यह लाभ हुआ कि मैंने कैरेक्टर (चरित्र) बहुत देखे और उनके मनोविज्ञान को भी समझने का मौका मिला | |

**A2)** i) उत्तर लिखिए :- 1

1) लेखक को घुटटी की तरह पिलाया गया - ..... .

2) ये जन्मांध थे - ..... .

ii) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। 1

नागर जी के प्रिय आलोचक - .....

**A3)** i) उचित विराम चिह् न लागाइए 1

नागर जी अपने भ्रमण तो काफी किया है

ii) उत्तर लिखिए :- 1

परिछेद में से कोई दो विशेषण शब्द चुनकर लिखिए:

**A4)** स्वमत :- 2

'रामचरितमानस' महाकाव्य की जानकारी लिखिए।

**(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-**

**1** **A1)** i) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। 1

i. सारे शहर की परेशानी का कारण ।
ii. लेखक हमेशा किससे दूर रहता है।

ii) उत्तर लिखिए :- 1

लपकानंदन रात भर सोच रहे थे -

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते। हमारे शहर में एक कवि हैं, श्री लपकानंद जी । उनकी बेतुकी कविताओं से सारा शहर परेशान है । मैं अकसर उन्हें दूर से देखते ही भाग खड़ा होता हूँ । जानता हूँ, जब भी मिलेंगे दस-बीस कविताएँ पिलाए बिना नहीं छोड़ेंगे । एक दिन बगल में झोला दबाए आ पहूँचे । आते ही कहने लगे- "मैं तो पिछले चार-पाँच दिनों से कवि सम्मेलनों में अति व्यस्त था । सच कहता हूँ । कसम से, मैं आपके बारे में ही सोचता रहा । रातभर मुझे नींद नहीं आई और हाँ, रात को इसी संदर्भ में यह कविता बनाई...।" यह कह झोले में से डायरी निकाली और लगे सुनाने-

"आसाम की राजधानी है शिलाँग
मेरे दोस्त की टूट गई है टाँग
मोटरवाले, तेरी ही साइड थी राँग ।"

कविता सुनाकर वे मुझे ऐसे देख रहे थे, मानो उनकी एक आँख पूछ रही हो- 'कहो, कविता कैसी रही ?' और दूसरी आँख पूछ रही हो-'बोल, बेटा ! अब भी मुझसे भागेगा ?' मैंने उन्हें जल्दी से चाय पिलाई और फिर कविताएँ सुनने का वादा कर बड़ी मुश्किल से उन्हें विदा किया ।

अब मैं रोज ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ किहे ईश्वर ! अगर तुझे मेरी दूसरी टाँग भी तोड़नी हो तो जरूर तोड़ मगर कृपा कर उस जगह तोड़ना जहाँ मेरा कोई भी परिचित न हो, क्योंकि बड़े बेदर्द होते हैं ये हमदर्दी जताने वाले ।

**A2)** i) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 1

ii) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 1

| | |
|---|---|
| (1) हमारे शहर में एक कवि है। | ..... |
| (2) कवि एक बार मिलने पर कविताएं पिलाते हैं। | ..... |
| (3) मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। | ..... |
| (4) हमदर्दी जताने वाले होते हैं। | ..... |

**A3)** i) लिंग पहचानकर लिखिए। 1

i. रात - .....।

ii. कवि - .....।

ii) उत्तर लिखिए :- 1

असम की राजधानी कहां है?

**A4)** स्वमत :- 2

"कवि समाज का आधार है"

**(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

**1** **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

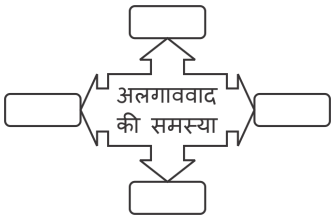


आज किसी भी देश के लिए आतंकवाद एक गंभीर समस्या बन गया है। आतंकवाद का उद्देश्य लोगों में दहशत फैलाकर अपनी सत्ता कायम करना है। आतंकवाद का कोई मजहब या धर्म नहीं होता है। यह परंपरा आज से नहीं वरन् सालों से चली आ रही गंभीर समस्या है। आंतकवादियों को किसी भी देश की खुशहाली और शांति पसंद नहीं होती है। देश की उन्नति उनकी आँखों को सुहाती नहीं है। कश्मीर आज आतंकवाद की आग में झुलस रहा है। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कश्मीर के कुछ हिस्सों को अपने अधिकृत कर वहाँ आतंकवाद का प्रशिक्षण देता है। नौजवान पीढ़ी को गुमराह कर कश्मीर की शांति भंग करता है। बम विस्फोट करना, आत्मघाती हमले करना, हत्या करना और पत्थरबाजी करना, सैनिकों पर हमला ये अलगाव वाद की समस्या को बढ़ाते है। इस समस्या से छुटकारा युवा शक्ति अपनी समझदारी से ही कर सकती है। वे आतंकवादियो का साथ न देकर अपने विकास की ओर ध्यान दे तभी आतंकवाद की समस्या समाप्त हो सकती है।

**A2)** स्वमत :- 2

आतंकवाद को मिटाने के लिए उपाय लिखिए।

**विभाग २ - पदय : 12 अंक**

**Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-** **(6)**

**1** **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) 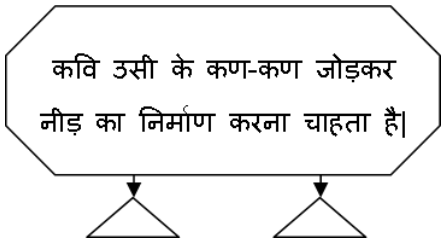


2) आकृति पूर्ण कीजिए।

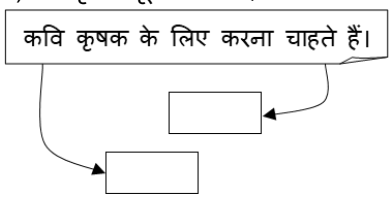


यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।
('गीतों का अवतार' गीत संग्रह से)

**A2)** i) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। 1

i. चिड़ियों के घर को कहा जाता है | (आवास / नीड़)
ii. जिस व्यक्ति को पीड़ा पहुँचाई जाती है | (दुखी / पीड़ित)

ii) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए। 1

(i) मशीन के समान - .....
(ii) मानव - .....

**A3)** स्वमत :- 2

निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

यंत्रवत जीवित बना ..... का गान कर लूँ ।।

**(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-** **(6)**

**1** **A1)** निम्नलिखित विधान सही हैं अथवा गलत हैं, लिखिए। 2

(i) मीराबाई के प्रभु उसके पालनहार हैं। - .....
(ii) मीराबाई अपने आप को प्रभु की दासी नहीं कहती। - .....
(iii) संसार रूपी सागर विकारों से भरा है। - .....
(iv) संत मीराबाई अपने प्रभु की राह देख रही है। - .....

हरि बिन कूण गती मेरी ।।
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी ।।
आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी ।
बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी ।।
यौ संसार बिकार सागर बीच में घेरी ।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बूड़त है बेरी ।।
बिरहणि पिवकी बाट जौवै राखल्यो नेरी ।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी ।।

**A2)** उत्तर लिखिए :- 2

पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।

| **विलोम शब्द जोड़ी** | **समानार्थी शब्द जोड़ी** |
|---|---|
| ..... × ..... | ..... = ..... |

**A3)** स्वमत :- 2

उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

**विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक**

**Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-** **(4)**

**1** **A1)** i) अव्यय भेद लिखिए | 1

i. नाक के पास दो रेखाएँ उभर आई।
ii. सिर्फ चिउरा और गुड़।

ii) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

फूट-फूटकर रोना।

पान-जैसी पतली छुरी से बाँस की तीलियाँ और कमानियों को चिकनाता हुआ सिरचन अपने काम में लग गया । रंगीन सुतलियाँ में झब्बे डालकर वह चिक बुनने बैठा । डेढ़ हाथ की बिनाई देखकर ही लोग समझ गए कि इस बार एकदम नये फैशन की चीज बन रही है ।

मँझली भाभी से नहीं रहा गया । परदे की आड़ से बोली, "पहले ऐसा जानती कि मोहर छापवाली धोती देने से ही अच्छी चीज बनती है तो भैया को खबर भेज देती ।"

काम में व्यस्त सिरचन के कानों में बात पड़ गई । बोला, "मोहर छापवाली धोती के साथ रेशमी कुरता देने पर भी ऐसी चीज नहीं बनती बहुरिया । मानू दीदी काकी की सबसे छोटी बेटी है... मानू दीदी का दूल्हा अफसर आदमी है !"

मँझली भाभी का मुँह लटक गया । मेरी चाची ने फुस-फुसाकर कहा, "किससे बात करती है बहू? मोहर छापवाली धोती नहीं, मुँगिया लड्डू । बेटी की विदाई के समय रोज मिठाई जो खाने को मिलेगी । देखती है न !"

दूसरे दिन चिक की पहली पाँति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के । सतभैया तारा ! अपने काम में मगन सिरचन को खाने-पीने की सुध नहीं रहती । चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली- चिउरा और गुड़ का एक सूखा ढेला । मैंने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के पास दो रेखाएँ उभर आईं । मैं दौड़कर माँ के पास गया । "माँ, आज सिरचन को कलेवा किसने दिया है, सिर्फ चिउरा और गुड़ ?"

**A2)** स्वमत :- 2

"मनुष्य का भविष्य उसके हाथों में है।"

**(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- (4)**

**1** **A1)** i) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में से अर्थ ढूंढ कर लिखिए। 1

(i) घमंड - .....

(ii) लड़की - .....

ii) उत्तर लिखिए :- 1

शेखी बघारना - .....

बातों का जनाब, शऊर नहीं, शेखी न बघारें, हाँ चुप रहिए ।
हम उस धरती की लड़की हैं । जिस धरती की बातें क्या कहिए ।

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए ।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थी झाँसी की रानी ।

रजिया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थी मर्दानी ।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला ।

सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला ।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने सहिए, ताने सहिए, ताने सहिए ।

हम उस धरती की लड़की हैं...

**A2)** स्वमत :- 2

"समाज के विकास के लिए स्त्री पुरुष दोनों ही महत्वपूर्ण है"

**विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक**

**Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

**(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- (1)**

तुलसीदास जी ने <u>कहा</u> है।

**(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- (1)**

**(i)** वहाँ -

**(ii)** लेकिन

**(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-** **(1)**

| संधि शब्द | संधि विच्छेद | संधि भेद |
|---|---|---|
| i) ..... | देव + इन्द्र | ..... |
| ii) ..... | राम + अवतार | ..... |

**(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए ( कोई एक) :-** **(1)**

**(i)** इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे ।

**(ii)** तुलसी को मुझे छुट्टी में पिलाया है|

**(5) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-** **(1)**

| क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया | द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया |
|---|---|---|
| i) करना | ..... | ..... |
| ii) जलना | ..... | ..... |

**(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-** **(1)**

राणा प्रताप ने मुगल सैनिकों को <u>परेशान कर दिया</u>।
(नाकों चने चबाना, दाँत खट्टे करना)

**अथवा**

**निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए**

**1)** मुँह लाल होना -

**2)** टाँग अड़ाना -

**(7) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :-** **(1)**

**1)** पाठ में विविध देशों के नाम आए।

**2)** मेरी कलम उसकी जेब में है |

**(8) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :-** **(1)**

**1)** मैंने याद दिलाया पूड़ियों के साथ मिर्ची का अचार जरूर रख लेना

**2)** वे कुरते भला कोई यहाँ से फट रहा था कोइ वहाँ से

**(9) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए ( कोई दो) :-** **(2)**

**(i)** घोड़ा बेदम हो गया है। (सामान्य भविष्यकाल)

**(ii)** आप इतनी देर से नाप – तौल करते हैं | (अपूर्ण वर्तमान काल)

**(iii)** बिल्ली फँसाने का कटघरा आया। (सामान्य वर्तमानकाल)

**(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :-** **(1)**

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा।

**ब) 1) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :-** **(1)**

क्या! उस गली में पेड़ भी है। (निषेधार्थक वाक्य)

**2) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :-** **(2)**

**(i)** करामत अली गाय अपनी घर लाई।

**(ii)** मेर पहला कहानी 'प्रायश्चित' इसकी प्रमाण है|

**विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक**

**Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन -** **(5)**

**निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -**

अर्चित/अर्चिता भोसले, 54, शांतिनगर, नाशिक से अपने परिसर के उद्यान की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, आयुक्त, महानगर परिषद, नाशिक को पत्र लिखता है/लिखती है।

**अथवा**

अनुराग छात्रावास, महात्मा गाँधी मार्ग, नागपुर से विजय/विजया भालेराव अपने जीवन स्वप्न का वर्णन कते हुए अपने पिता जी को पत्र लिखता/लिखती है।

**OR**

45/406, गुरुवार पेठ पुणे से रघुनाथ / रागिनी भिंदे गोपालगंज, देवनिवास जलगाँव निवासी अपने दादाजी को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की जानकारी देते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

**(2) गदय आकलन -** **(4)**

**निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-**

सर विलियम जोन्स सुप्रीम कोर्ट के जज होकर सन 1783 में कलकत्ता आए थे। यहाँ आकर उन्होंने थोड़ी - सी हिंदी सीखी। उसके बाद उन्हें संस्कृत सीखने की इच्छा हुई इसलिए व एक पंडित की खोज करने लगे। कोई भी ब्राम्हण एक विदेशी को वेद शास्त्रों की परिभाषा सिखाने को तैयार नहीं हुआ। पंडित जी आए भी पर जाति बहिष्कार के भय से किसी का साहस न हुआ। सर विलियम भी अपनी लगन के पक्के थे। उनकी खोज जारी रही। अंत में एक विद्वान पंडित रामलोचन ने सौ रूपए महीने पर उन्हें संस्कृत पढ़ाना स्वीकार कर लिया। वे गृहस्थ न थे, इसलिए इन्हें समाज से बहिष्कृत होने का कोई भय नहीं था। अध्यापक ने सर विलियम जोन्स के साथ बड़ी कड़ी शर्ते रखी। पढ़ने से पहले सर विलियम को एक प्याला चाय के अतिरिक्त कुछ खाना भी मना था। घर में माँस लाने का भी निषेध था। पढ़ने का कमरा रोजाना गंगा - जल से एक हिंदू नौकर से धुलाया जाता था।

**(आ) (1) वृत्तांत लेखन -** **(5)**

आपने अपने मित्रों के साथ 'होली मिलन समारोह' मनाया। इसका वृत्तांत लिखिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिर्वाय है।)

**अथवा**

**कहानी लेखन -** **(5)**

**निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-**

खरगोश - कछुआ - दौड़ - जीत - शिक्षा।

**(2) विज्ञापन लेखन -** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए।

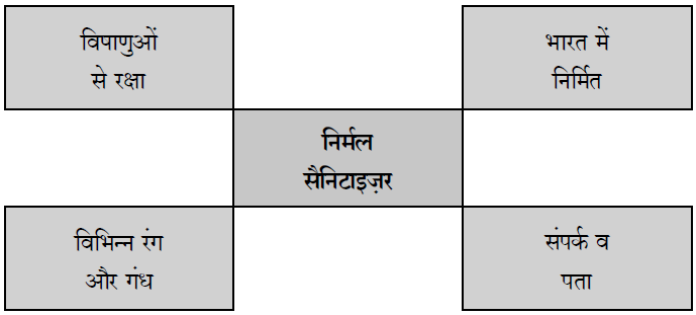


**(इ) निबंध लेखन -** **(7)**

**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-**

**(1)** मेरा पिय खेल।

**(2)** 'फूल की आत्मकथा'

**(3)** मैं मोबाइल बोल रहा हूँ